प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **26 जून / June, 2020**

सिडबी द्वारा एमएसएमई इकाइयों को कोविड-19 आपदा से निपटने में मदद के लिए 'स्वावलंबन संकटकालीन प्रतिक्रिया निधि' की स्थापना

SIDBI sets up 'Swavalamban Crisis Responsive Fund' to help MSMEs tide over the COVID-19 crisis

यह निधि एमएसएमई इकाइयों को ट्रेड्स पर नि:शुल्क जोड़े जाने को समर्थन देगा

The fund shall support free onboarding of MSMEs on TReDS

सूक्ष्म लघु व मध्यम उद्यमों के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न प्रमुख वित्तीय संस्थान, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), व्यापार प्राप्य डिस्काउंट सिस्टम (ट्रेड्स) प्लेटफॉर्म पर एमएसएमई इकाइयों को नि:शुल्क जोड़े जाने को समर्थन देने के लिए एक 'स्वावलंबन संकटकालीन प्रतिक्रिया निधि' की स्थापना कर रहा है। रिसीवेबल एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (आरएक्सआईएल), एम1एक्सचेंज और इन्वोइसमार्ट ये तीन ट्रेड्स प्लेटफॉर्म हैं जो एमएसएमई इकाइयों को कई वित्त-प्रदाताओं के माध्यम से बीजकों की बट्टे पर भुनाई के द्वारा कार्यशील पूंजी तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करते हैं।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), is setting up 'Swavalamban Crisis Responsive Fund' to support free onboarding of MSMEs on Trade Receivables Discounting System (TReDS). Receivables Exchange of India Ltd. (RXIL), M1xchange and Invoicemart are the three TReDS platforms which helps MSMEs gain access to working capital through invoice discounting via multiple financiers.

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री मोहम्मद मुस्तफा, आईएएस ने कहा, "सरकार एमएसएमई पारितंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए कई कदम उठा रही है और इनसे अर्थव्यवस्था में नए अंकुरों के प्रस्फुटन से सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं। कोविड-19 के प्रभावों पर त्वरित जवाबी प्रतिक्रिया के लिए भारत सरकार की कई पहलों को लागू करने के लिए सिडबी ने एक प्रमुख संवाहक की भूमिका निभाई है। स्वावलंबन संसाधन सुविधा के अंतर्गत स्वावलंबन संकटकालीन प्रतिक्रिया निधि (एससीआरएफ़) स्थापित करने का वर्तमान प्रयास, जिसमें सिडबी ने अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफ़आईडी), यूके के साथ साझेदारी की हैं, बैंक

द्वारा अभी तक किए गए हस्तक्षेपों में एक और विभेदीकृत हस्तक्षेप है। इसका लक्ष्य इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान एमएसएमई को राहत देना है। हमें उम्मीद है कि एमएसएमई, ट्रेड्स पर जुडने के इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएंगे और इस प्रकार नकद प्रवाह में आकुंचन/ गंभीर कमी की जो समस्या है इससे उन्हें राहत मिल सकेगी।"

Shri Mohammad Mustafa, IAS, Chairman and Managing Director of SIDBI said, "The government has been taking several steps to strengthen the MSME ecosystem and these have started giving results with green shoots in economy being visible. SIDBI has been a lead vehicle to implement several government of India initiatives towards quick response to COVID-19 fallout. The present endeavor of setting up Swavalamban Crisis Responsive Fund (SCRF), under Swavalamban Resource Facility, where SIDBI partners with Department for International Development (DFID), UK, is yet another differentiated intervention by the Bank. It aims at offering relief to the MSMEs during these challenging times. We are hopeful that MSMEs shall maximize this opportunity to onboard TReDS thus getting much needed breather from squeezed/severely crunched cash flow."

ट्रेड्स एक इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफ़ॉर्म है जहां बड़े खरीदारों (बड़े कॉरपोरेट्स, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, सरकारी विभाग इत्यादि) के प्रति एमएसएमई इकाइयों की प्राप्य राशियों के सन्दर्भ में आहरित किये गए बीजकों को विविध वित्तपोषकों के माध्यम से प्रतिस्पर्धी दरों पर नीलामी तंत्र के माध्यम से वित्तपोषित किया जाता है। ट्रेड्स विशेष रूप से इस कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय में एमएसएमई इकाइयों के चिरकालीन नकदी प्रवाह जैसी समस्याओं का एक उत्तर है। एमएसएमई इकाइयों को इन प्लेटफार्मों पर अधिक संख्या में जुड़ने और लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से इन प्लेटफार्मों के साथ विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय प्रतिक्रियादायी पहल में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए वे सितंबर 2020 तक एमएसएमई इकाइयों को मुफ्त में जुडने की पहुंच प्रदान करने के लिए आगे आये हैं। निधि का उपयोग ट्रेड्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने / पंजीकरण शुल्क की लागत को आंशिक रूप से कम करने और ट्रेड्स कंपनियों की सहायता के लिए होगा ताकि वे यह सुनिश्चित कर सकें कि प्लेटफार्म पर शामिल होने के प्रभारों से एमएसएमई इकाइयां मुक्त रहें।

TReDS is an electronic platform where receivables of MSMEs drawn against buyers (large corporates, Public Sector Undertakings, Government Departments, etc.) are financed through multiple financiers at competitive rates through an auction mechanism. TReDS is an answer to the everlasting cash flow issues of the MSMEs particularly in these COVID-19 challenging times. In order to induce MSMEs to increasingly join on these platforms and leverage the gains, discussions were conducted with these platforms. They have all proactively come forward to join the national responsive initiative to extend free onboarding access to MSMEs till September 2020. The fund would be utilized to partially offset the cost of joining/registration fee on the TReDS platform and support the TReDS Companies to ensure free onboarding charges for MSMEs.

सिडबी 10 शहरों के समूहों में एक विभेदित क्लस्टर आउटरीच कार्यक्रम का भी नेतृत्व कर रहा है, जहां 5 साझेदार संस्थानों (फिनटेक, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां- अल्प वित्त संस्थाएं) के माध्यम से यह ट्रेड्स, गवर्नमेंट ई मार्केट प्लेस आदि के बारे में जागरूकता पैदा करेगा और एमएसएमई इकाइयों को इन पर जोड़े जाने को बढ़ावा देगा।

SIDBI is also spearheading a differentiated cluster outreach program in clusters of 10 cities where through 5 partner institutions (Fintech, Non-Banking Financial Companies-Microfinance Institutions) it shall be creating awareness on TReDS, Government e-Marketplace etc. and maximize onboarding of MSMEs.

सिडबी के बारे में : 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। चाहे वे पारंपरिक, छोटे घरेलू उद्यमी हों, पिरामिड के सबसे निचले स्तर के उद्यमी हों, या फिर उच्च-स्तरीय ज्ञान आधारित उद्यमी हों, सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के जीवन को विभिन्न ऋणों तथा विकास कार्यों के माध्यम से प्रभावित किया है।

अधिक जानने के लिए, देखें : https://www.sidbi.in

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in

मीडिया संपर्क: नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई मेल: neelasrib@sidbi.in
Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in